सारांश

आर्थिक गणना–2005 में अभिज्ञापित प्रदेश के उद्यमों की प्रमुख विशेषताओं को निम्न प्रकार सूचीबद्ध किया गया है:–

1. कुल 40.21 लाख उद्यम तथा उनमें 81.45 लाख कर्मकर कार्यशील पाये गये ।

2. 2.57 लाख(6.4 प्रतिशत) कृषीय उद्यम तथा 37.64 लाख(93.6 प्रतिशत) अकृषीय उद्यम पाये गये ।

3. 22.05 लाख(54.8 प्रतिशत) उद्यम ग्रामीण क्षेत्र में तथा 18.16 लाख(45.2 प्रतिशत) उद्यम नगरीय क्षेत्र में पाये गये ।

4. कुल 28.45 लाख स्वकार्य उद्यमों में से 2.19 लाख(7.7 प्रतिशत) कृषीय उद्यम तथा शेष 26.26 लाख(92.3 प्रतिशत) अकृषीय उद्यम थे ।

5. कुल स्वकार्य उद्यमों में 17.04 लाख(59.9 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र में तथा 11.40 लाख(40.1 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र में थे ।

6. कुल 11.76 लाख संस्थानों में से 5.01 लाख(42.6 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र में तथा 6.75 लाख(57.4 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र में थे ।

7. कुल 11.76 लाख संस्थानों में से 0.38 लाख(3.3 प्रतिशत) कृषीय तथा शेष 11.38 लाख(96.7 प्रतिशत) अकृषीय संस्थान थे ।

8. कुल 81.45 लाख कर्मकरों में से 40.82 लाख(50.1 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमों में तथा 40.63 लाख(49.9 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र के उद्यमों में कार्यशील थे ।

9. कुल कर्मकरों में से भाड़े के कर्मकरों की संख्या 33.64 लाख(41.3 प्रतिशत) थी तथा भाड़े के कुल कर्मकरों के 13.94 लाख(41.4 प्रतिशत) कर्मकर ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमों में कार्यरत थे ।

10. 1998–2005 की अवधि में :–

(क) कुल उद्यमों की संख्या में 42.2 प्रतिशत की वृद्धि(वार्षिक वृद्धि दर 5.2) पायी गयी । ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमों की संख्या में वृद्धि दर 7.2 रही जबकि नगरीय क्षेत्र में यह दर 3.1 रही ।

(ख) कुल कर्मकरों की संख्या में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि(वार्षिक वृद्धि दर 2.3) पायी गयी । ग्रामीण क्षेत्र में यह वृद्धि 36.7 प्रतिशत(वार्षिक वृद्धि दर 4.6) तथा नगरीय क्षेत्र में 3.1 प्रतिशत(वार्षिक वृद्धि दर 0.4) रही ।

(ग) भाड़े के कर्मकरों की संख्या में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी । ग्रामीण क्षेत्र में 19.1 प्रतिशत की वद्धि तथा नगरीय क्षेत्र में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी ।

11. प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में उद्यमों का घनत्व 1669 पाया गया ।

12. प्रति हजार जनसंख्या पर उद्यमों की संख्या 22 पायी गयी ।

13. प्रति हजार जनसंख्या पर कर्मकरों की संख्या 45 पायी गयी ।

14. प्रति उद्यम औसत कर्मकरों की संख्या 2.03 पायी गयी ।

15. कुल स्वकार्य उद्यमों की संख्या 28.45 लाख(70.8 प्रतिशत) तथा कुल संस्थानों की संख्या 11.76 लाख(29.2 प्रतिशत) पायी गयी ।(तालिका–1)

16. 1998–2005 की अवधि में :–

(क) स्वकार्य उद्यमों की संख्या में 32.5 प्रतिशत की वृद्धि तथा संस्थानों की संख्या में 72.7 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी ।(तालिका–1)

(ख) स्वकार्य उद्यमों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत 51.1 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के अन्तर्गत 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।(तालिका–1)

(ग) संस्थानों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत 115.9 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के अन्तर्गत 50.5 प्रतिशत की वृद्धि रही ।(तालिका–1)

17. उद्यमों की सर्वाधिक संख्या जनपद लखनऊ में 159.63 हजार पायी गयी जो प्रदेश के कुल उद्यमों का 4.0 प्रतिशत रहा । जनपद कानपुर नगर 144.52 हजार उद्यमों के साथ (3.6 प्रतिशत) द्वितीय स्थान पर रहा ।(तालिका–एस–7)

18. जनपद श्रावस्ती में सबसे कम उद्यम मात्र 13.11 हजार पाये गये जो प्रदेश के कुल उद्यमों का 0.3 प्रतिशत था ।(तालिका–एस–7)

19. ग्रामीण क्षेत्र में जनपद अलीगढ़ में उद्यमों की सर्वाधिक संख्या 70.86 हजार (ग्रामीण क्षेत्र में स्थित कुल उद्यमों का 3.2 प्रतिशत) रही । नगरीय क्षेत्र में जनपद लखनऊ में सर्वाधिक 129.05 हजार उद्यम(नगरीय क्षेत्र में स्थित कुल उद्यमों का 7.1 प्रतिशत) पाये गये । (तालिका–एस–7)

20. ग्रामीण क्षेत्र में जनपद कन्नौज में तथा नगरीय क्षेत्र में जनपद कुशीनगर में उद्यमों की संख्या सबसे कम अर्थात नगण्य रही ।(तालिका–एस–7)

21. स्वकार्य उद्यमों की सर्वाधिक संख्या जनपद लखनऊ में 101499(3.6 प्रतिशत) तथा संस्थानों की सर्वाधिक संख्या 58312(5.0 प्रतिशत) जनपद कानपुर नगर में पायी गयी । (तालिका–एस–7)

22. स्वकार्य उद्यमों की न्यूनतम संख्या 11501 जनपद चित्रकूट में तथा संस्थानों की न्यूनतम संख्या 1599 जनपद श्रावस्ती में पायी गयी ।(तालिका–एस–7)

23. उद्यमों में कार्यरत व्यक्तियों की सर्वाधिक संख्या जनपद लखनऊ में 3.89 लाख (4.8 प्रतिशत) तथा न्यूनतम संख्या जनपद श्रावस्ती में 0.19 लाख(0.2 प्रतिशत) पायी गयी । (तालिका–एस–8)

24. संस्थानों में भाड़े के व्यक्तियों की सर्वाधिक संख्या जनपद गौतमबुद्ध नगर में 2.46 लाख(भाड़े के कुल कर्मकरों का 7.3 प्रतिशत) थी ।(तालिका–एस–6)

25. समस्त कर्मकरों में भाड़े के कर्मकरों का सबसे अधिक प्रतिशत(2.6 प्रतिशत) जनपद लखनऊ में पाया गया ।(तालिका–एस–6)

26. प्रति हजार जनसंख्या पर उद्यमों की सर्वाधिक संख्या 39 जनपद लखनऊ में पायी गयी। (तालिका–1)

27. प्रति हजार जनसंख्या पर उद्यमों में कार्यरत व्यक्तियों की सर्वाधिक संख्या जनपद लखनऊ में 96 पायी गयी ।(तालिका–1)

28. प्रदेश के कुल (40.21 लाख) उद्यमों में :–

(क) 1.66 लाख(4.1 प्रतिशत) उद्यम मौसमी प्रकृति के पाये गये । (तालिका–एस–5 एवं एस–6)

(ख) 4.66 लाख(11.6 प्रतिशत) उद्यम बिना परिसर के थे ।(तालिका–एस–5 एवं एस–6)

(ग) 32.30 लाख(80.3 प्रतिशत) उद्यम शक्ति/ईंधन रहित थे ।(तालिका–एस–5 एवं एस–6)

(घ) 3.62 लाख(9.0 प्रतिशत) उद्यमों के स्वामियों का सामाजिक वर्ग अनुसूचित जाति, 0.51 लाख(1.3 प्रतिशत) का अनुसूचित जनजाति, 20.79 लाख(51.7 प्रतिशत) का अन्य पिछड़ी जाति तथा शेष अन्य जाति का था ।(तालिका–एस–5 एवं एस–6)

(च) प्रदेश के कुल 40.21 लाख उद्यमों मे से 34.51 लाख(85.8 प्रतिशत) उद्यम किसी भी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत नहीं पाये गये ।(तालिका–एस–20)

(छ) 1.58 लाख(3.9 प्रतिशत) उद्यम विभिन्न वित्तीय स्रोतों से सहायता प्राप्त थे । (तालिका–एस–21)

कृषीय उद्यम

1. प्रदेश में कृषीय उद्यमों की संख्या 2.57 लाख थी जो कुल 40.21 लाख उद्यमों का 6.4 प्रतिशत था ।(तालिका–1)

2. कुल कृषीय उद्यमों का 89.9 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में तथा 10.1 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में स्थित पाया गया ।(तालिका–1)

3. कृषीय उद्यमों में रोजगार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या 5.21 लाख पायी गयी जिसमें 4.1 लाख(78.7 प्रतिशत) व्यक्ति स्वकार्य उद्यमों में तथा 1.11 लाख(21.3 प्रतिशत) व्यक्ति संस्थानों में कार्यरत थे ।(तालिका–1)

4. समस्त उद्यमों में कार्यरत कुल व्यक्तियों के सापेक्ष कृषीय उद्यमों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिशत 6.4 था ।(तालिका–1)

5. रोजगार पाने वाले व्यक्तियों की प्रति कृषीय उद्यम औसत संख्या 2.03 पायी गयी । (तालिका–1)

6. 1998–2005 की अवधि में कृषीय उद्यमों की संख्या में 110.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।(तालिका–1)

7. कृषीय उद्यमों में कार्यरत कुल कर्मकरों में भाड़े पर कार्यरत कर्मकरों का प्रतिशत 13.4 पाया गया ।(तालिका–1)

8. कृषीय उद्यमों की संख्या की दृष्टि से प्रदेश में जनपद अलीगढ़(39183 उद्यम) प्रथम, जनपद बदायूं(36221 उद्यम) द्वितीय तथा जनपद मेरठ(23642 उद्यम) तृतीय स्थान पर रहा । (तालिका–एस–7)

9. जनपद चित्रकूट, सहारनपुर तथा हरदोई में कृषीय उद्यमों की संख्या सबसे कम क्रमशः 40, 50 तथा 53 पायी गयी ।(तालिका–एस–7)

10. ग्रामीण क्षेत्र के कृषीय उद्यमों में जनपद अलीगढ़(16.4 प्रतिशत), बदायूं (14.3 प्रतिशत) तथा जनपद मेरठ(8.6 प्रतिशत) क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहा।(तालिका–1 एवं एस–7)

11. नगरीय क्षेत्र के कृषीय उद्यमों में जनपद बदायूं(13.4 प्रतिशत), जनपद मेरठ (12.3 प्रतिशत) तथा जनपद जे.पी.नगर(7.1 प्रतिशत) क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहा ।(तालिका–1 एवं एस–7)

12. कृषीय उद्यमों में रोजगार(कार्यरत व्यक्तियों की संख्या) की दृष्टि से जनपद अलीगढ़ (18.1 प्रतिशत), जनपद बदायूं(13.4 प्रतिशत) तथा जनपद मेरठ(11.1 प्रतिशत) क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहा ।(तालिका–1 एवं एस–8)

13. कुल कृषीय उद्यमों में स्वकार्य उद्यम 85.1 प्रतिशत पाये गये ।(तालिका–1)

14. कृषीय स्वकार्य उद्यमों में प्रति उद्यम कार्यशील व्यक्तियों की औसत संख्या 1.87 थी।(तालिका–1)

15. कृषीय स्वकार्य उद्यमों की संख्या जनपद अलीगढ़ में सर्वाधिक 35423(कुल स्वकार्य उद्यमों का 16.2 प्रतिशत) रही ।(तालिका–1 एवं एस–7)

16. कृषीय स्वकार्य उद्यमों में कार्यशील व्यक्तियों की संख्या जनपद अलीगढ़ में सर्वाधिक 80999(19.8 प्रतिशत) रही ।(तालिका–1 एवं एस–8)

17. कुल कृषीय उद्यमों में संस्थानों का प्रतिशत 14.9 रहा ।(तालिका–1)

18. ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत कृषीय उद्यमों में 89.8 प्रतिशत कर्मकर कार्यरत थे।(तालिका–1)

19. 99.3 प्रतिशत कृषीय उद्यम निजी स्वामित्व में संचालित थे ।

20. 17.7 प्रतिशत कृषीय उद्यमों की प्रकृति मौसमी थी ।(तालिका–एस–3 एवं एस–4)

21. 11.0 प्रतिशत कृषीय उद्यम बिना परिसर के संचालित थे । (तालिका–एस–3 एवं एस–4)

22. 91.0 प्रतिशत कृषीय उद्यम शक्ति/ईंधन रहित संचालित थे । (तालिका–एस–3 एवं एस–4)

अकृषीय उद्यम

1. अकृषीय उद्यमों की संख्या 37.63 लाख(93.6 प्रतिशत) थी ।(तालिका–1)

2. अकृषीय उद्यमों की संख्या 1562 प्रति 100 वर्ग किलोमीटर थी ।(तालिका–1)

3. ग्रामीण क्षेत्र में 52.4 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र में 47.6 प्रतिशत अकृषीय उद्यम स्थित थे ।(तालिका–1)

4. प्रति हजार जनसंख्या पर अकृषीय उद्यमों की संख्या 20 रही ।(तालिका–1)

5. अकृषीय उद्यमों में 76.24 लाख कर्मकर कार्यशील थे जो कुल कर्मकरों का 93.6 प्रतिशत है ।(तालिका–1)

6. अकृषीय उद्यमों में कार्यरत कर्मकरों की औसत संख्या 2.03 थी ।(तालिका–1)

7. प्रति लाख जनसंख्या पर अकृषीय उद्यमों में कार्यशील व्यक्तियों की संख्या 4183 थी। (तालिका–1)

8. अकृषीय उद्यमों में कुल 67.45 लाख पुरूष, 6.99 लाख महिलाएं कार्यरत थीं । अवयस्क पुरूष बच्चों की संख्या 1.33 लाख तथा महिला बच्चों की संख्या 0.46 लाख थी । (तालिका–एस–3 एवं एस–4)

9. 1998–2005 की अवधि में अकृषीय उद्यमों की संख्या में 39.1 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी ।(तालिका–1)

10. 1998–2005 की अवधि में अकृषीय उद्यमों में कार्यरत कुल कर्मकरों की संख्या में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी ।(तालिका–1)

11. अकृषीय उद्यमों में भाड़े पर कार्यरत कर्मकरों की संख्या 32.94 लाख पायी गयी । (तालिका–1)

12. अकृषीय उद्यमों में भाड़े पर कार्यशील कर्मकर 43.2 प्रतिशत थे ।(तालिका–1)

13. 1998–2005 की अवधि में अकृषीय उद्यमों में भाड़े के कर्मकरों की संख्या में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी ।(तालिका–1)

14. जनपद लखनऊ में सर्वाधिक 1.56 लाख अकृषीय उद्यम पाये गये जो कुल अकृषीय उद्यमों का 4.1 प्रतिशत था । द्वितीय स्थान जनपद कानपुर नगर का था जहॉ 1.40 लाख (3.7 प्रतिशत) उद्यम पाये गये । तृतीय स्थान पर जनपद गाजियाबाद 1.15 लाख (3.1 प्रतिशत) रहा ।(तालिका–1)

15. जनपद कानपुर नगर में सर्वाधिक 0.57 लाख अकृषीय संस्थान पाये गये जो कुल संस्थानों का 4.9 प्रतिशत था द्वितीय स्थान जनपद लखनऊ 0.57 लाख(4.9 प्रतिशत) का था जबकि जनपद सहारनपुर 0.47 लाख(4.0 प्रतिशत) तृतीय स्थान पर रहा ।(तालिका–1)

16. जनपद श्रावस्ती में सबसे कम 0.13 लाख अकृषीय उद्यम पाये गये जो प्रदेश के कुल अकृषीय उद्यमों का 0.3 प्रतिशत रहा ।

17. जनपद श्रावस्ती में सबसे कम मात्र 1578 अकृषीय संस्थान पाये गये जो कुल अकृषीय संस्थानों का 0.1 प्रतिशत था ।

18. जनपद लखनऊ में अकृषीय उद्यमों में कार्यरत कर्मकरों की सर्वाधिक संख्या 3.82 लाख पायी गयी जो कुल कार्यरत अकृषीय कर्मकरों का 5.0 प्रतिशत थी ।

19. अकृषीय संस्थानों में कार्यरत कर्मकरों की सर्वाधिक संख्या 2.71 लाख जनपद कानपुर नगर में पायी गयी जो कुल अकृषीय कर्मकरों का 6.4 प्रतिशत थी ।(तालिका–एस–8)

20. अकृषीय उद्यमों में कार्यरत भाड़े के सर्वाधिक कर्मकर 2.45 लाख जनपद गौतमबुद्ध नगर में पाये गये ।(तालिका–एस–8)

21. अकृषीय उद्यमों में कार्यरत भाड़े के कर्मकरों की न्यूनतम संख्या मात्र 3108 जनपद श्रावस्ती में थी ।(तालिका–एस–8)

22. अकृषीय उद्यमों में स्वकार्य उद्यमों की संख्या 26.26 लाख पायी गयी जो कुल अकृषीय उद्यमों की 69.8 प्रतिशत थी ।(तालिका–1)

23. अकृषीय स्वकार्य उद्यमों में कार्यरत कर्मकरों की संख्या 33.84 लाख पायी गयी जो कुल अकृषीय कर्मकरों का 44.4 प्रतिशत थी ।(तालिका–1)

24. अकृषीय उद्यमों की प्रमुख कार्यकलाप वर्गानुसार विवेचना से ज्ञात होता है कि:–

(क) सर्वाधिक 20.40 लाख उद्यम(कुल अकृषीय उद्यमों का 54.2 प्रतिशत) फुटकर व्यापार में संलग्न थे ।(तालिका–एस–1)

(ख) सर्वाधिक 15.68 लाख अकृषीय स्वकार्य उद्यम(कुल अकृषीय स्वकार्य उद्यम का 59.7 प्रतिशत) फुटकर व्यापार में संलग्न पाये गये ।(तालिका–एस–1)

(ग) सर्वाधिक 2.0 लाख संस्थान(कुल अकृषीय संस्थानों का 17.6 प्रतिशत) लोक प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्य एवं अन्य सामुदायिक एवं व्यक्तिगत सेवायें में थे ।(तालिका–एस–1)

25. 3.2 प्रतिशत अकृषीय उद्यम मौसमी प्रकृति के, 11.6 प्रतिशत बिना परिसर के तथा 79.6 प्रतिशत शक्ति/ईंधन रहित संचालित थे ।(तालिका–एस–3 एवं एस–4)

26. 8.7 प्रतिशत अकृषीय उद्यम अनुसूचित जाति, 1.3 प्रतिशत उद्यम अनुसूचित जनजाति, तथा 51.0 प्रतिशत उद्यम अन्य पिछड़ी जाति के व्यक्तियों के स्वामित्व में थे । (तालिका–एस–3 एवं एस–4)

27. कुल 1.51 लाख(4.0 प्रतिशत) अकृषीय उद्यम ऐसे थे जो किसी न किसी प्रकार के वित्तीय स्रोत से सहायता प्राप्त कर संचालित हो रहे थे ।(तालिका–एस–21)